बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

मई, 2021

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण 1–2

(B) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम 3–4

(C) कोविड महामारी : जीविका दीदियों एवं अधिकारियों का संवेदीकरण कार्यक्रम 5–6

(D) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम 07–08

(E) कोविड संक्रमण से बचाव एवं बाढ पूर्व तैयारीः सीतामढी जिलों के विभिन्न संस्थाओ का आनलाईन सवेदीकरण 09–10

(F) **Bihar State Disaster Resource Network** की **Review** मीटिंग 11–11

(G) **Mass Messaging** 12–12

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन (मई, 2021)

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण

दिनांक 15 अप्रैल 2021 तक राज्य के सभी (38) जिलों के साथ साथ भूकम्पीय जोन V के 8 जिलों (किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी एवं सीतामढ़ी) में से दरभंगा एवं मधुबनी को छोड़ बाकी के 6 जिलो में भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक पर अनुभवी राजमिस्त्रियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण का दूसरे बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया।

इस प्रकार दिनांक 15 अप्रैल 2021 तक कुल 17,544 अनुभवी राजमिस्त्रियों को एवं 37 जिलों (समस्तीपुर को छोड़) में (मुख्यालय सहित) कुल 2633 असैनिक अभियंताओं को **भूकम्परोधी भवन निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग तकनीक** विषय पर प्रशिक्षित किया जा चुका है।

मई 2021 में (लॉकडाउन के दौरान) जिलों में प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों के लिए Goto Meeting App के माध्यम से रिफ्रेशर कोर्स का कार्यक्रम चलाया गया जिसका विवरणी इस प्रकार है :–

Sr.	Date	District	Resource Person	No. of Participants
1	05 May	**West Champaran**	Er. Bipin Kumar	33
2	08 May	**East Champaran**	Er. Utkarsh Bibhoor	46
3	11 May	**Sitamarhi**	Er. Anand Gaurav	60
4	15 May	**Madhubani**	Er. Santosh Kumar	57
5	18 May	**Darbhanga**	Er. Avinash Kumar	48
6	21 May	**Gopalganj**	Er. Adil Khan	52
7	25 May	**Siwan**	Er. Alok Ranjan	23
8	28 May	**Saran**	Er. Alok Ranjan	61

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

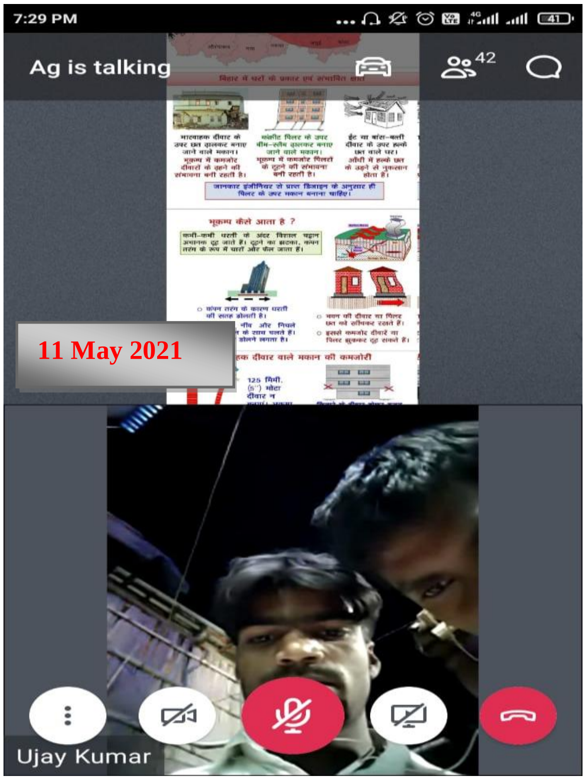

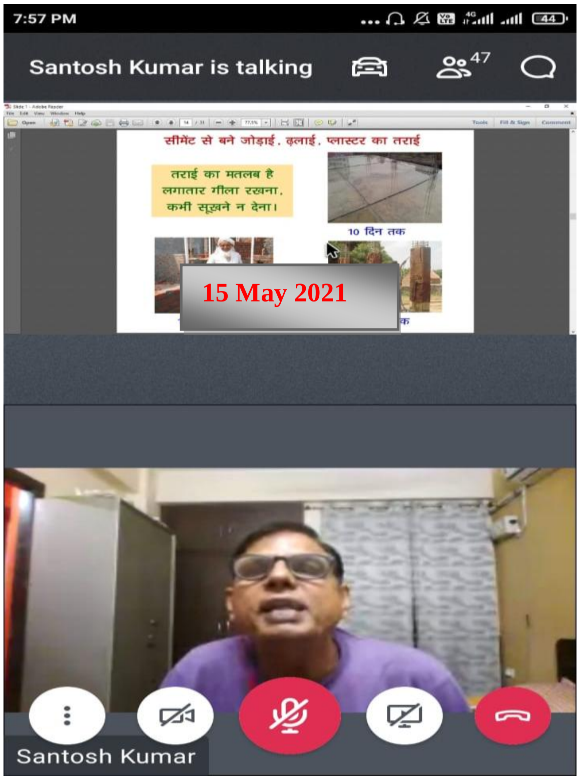

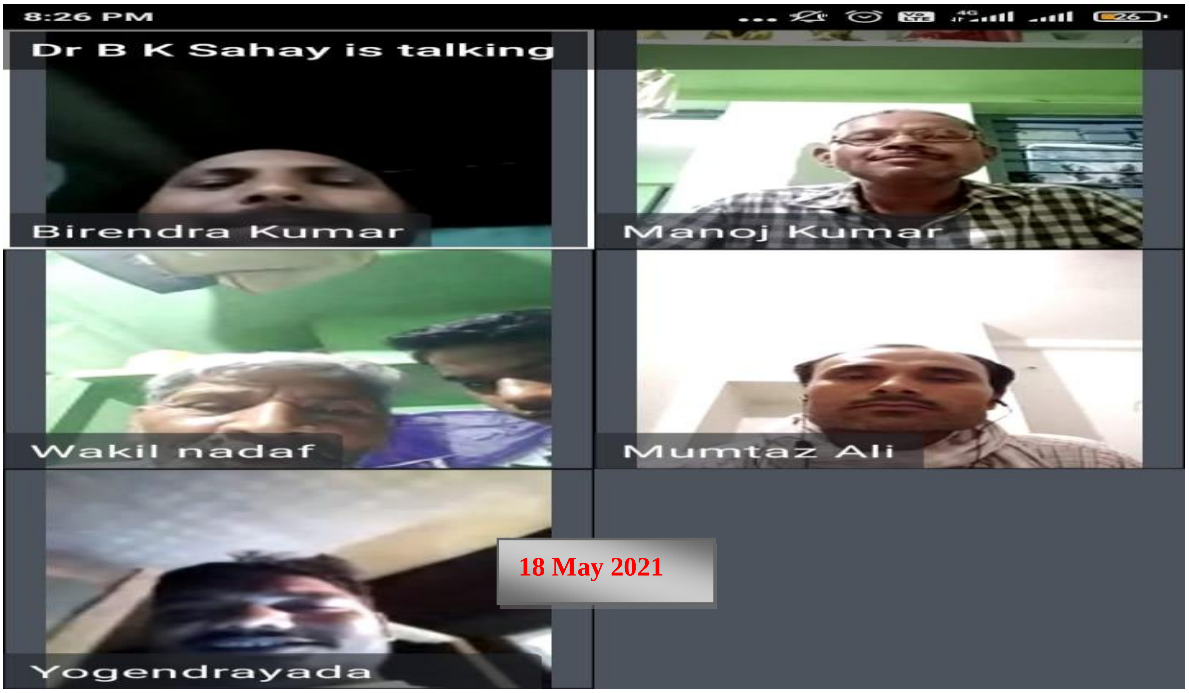

(B) ''मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

Covid–19 वैश्विक महामारी के कारण राज्य के सभी विद्यालय बंद हैं और नतीजतन सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम भी विद्यालयों में नहीं चलाये जा रहे हैं। इस वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी सरकारी/गैर–सरकारी/मदरसा बोर्ड/संस्कृत शिक्षा बोर्ड तथा अन्य विभागों के द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के एक–एक फोकल शिक्षकों का बेबिनार के माध्यम से प्रशिक्षण प्रारंम्भ किया गया है। फोकल शिक्षकों को 13 सत्रों का ऑनलाइन प्रशिक्षण कराया जा रहा है। मई माह में गया और कटिहार जिले के फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया। दिनांक 31 मई से वैशाली जिले के फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण प्रारंम्भ हुआ।

फोकल शिक्षकों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सत्रानुसार शामिल प्रतिभागियों की संख्या नीचे टेबल में दिया गया है।

गया विद्यालयों की कुल संख्या – 3949

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1	04.05.2021	1585
2	04.05.2021	1549
3	05.05.2021	1770
4	05.05.2021	1605
5	06.05.2021	1792

जिला	सत्र सं.	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
कटिहार विद्यालयों की कुल संख्या – 2542	1	10.05.2021	1874
	2	10.05.2021	1206
	3	11.05.2021	1842
	4	11.05.2021	1165
	5	12.05.2021	1831
	6	12.05.2021	1168
	7	13.05.2021	1731
	8	13.05.2021	1212
	9	17.05.2021	1490
	10	17.05.2021	1058
	11	18.05.2021	1500
	12	18.05.2021	1112
	13	19.05.2021	1500

वैशाली– विद्यालयों की कुल संख्या – 2356

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1	31.05.2021	2072
2	31.05.2021	1818

2. कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन के चलते शिक्षा विभग/बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् द्वारा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए दूरदर्शन बिहार चैनल पर ''मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय'' नामक कार्यक्रम के द्वारा बच्चों की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। दूरदर्शन बिहार पर ''मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय'' कार्यक्रम के अंतर्गत ''मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम – सुरक्षित शनिवार'' को मई, 2020 से फरवरी, 2021 तक प्रत्येक शनिवार को प्रसारित किया गया। यह कार्यक्रम पुनः 29 मई से दूरदर्शन बिहार पर प्रसारित किया जा रहा है। मई माह के प्रथम प्रसारण में अग्नि से सुरक्षा के बारे में बच्चों को बताया गया।

विदित हो कि ''मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय'' के अंतर्गत प्रसारित होने वाले इस सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम में ना केवल विभिन्न आपदाओं से बचाव के बारे में सैद्धांतिक जानकारी दी जा रही है बल्कि राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) और अन्य के सहयोग से विभिन्न आपदाओं के बारे में व्यावहारिक जानकारी भी मॉकड्रिल तथा प्रदर्शन (demonstration) के माध्यम से दी जा रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चे जो कुछ भी सीखेंगे वह सभी के काम आने वाली जानकारी होगी। अतः बच्चों से इस कार्यक्रम के माध्यम से अपेक्षा की जा रही है कि वे उन जानकारियों को अपने परिवार में चर्चा करेंगे और जानकारियां साझा करेंगे। इससे बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। सत्र पूरा होने के अंत में बच्चों से कुछ सवाल भी पूछे जा रहे हैं तथा गृह कार्य भी दिया जा रहा है। इस प्रकार धीरे–धीरे सीखते–सीखते हमस ब मिलकर अपने राज्य बिहार को आपदाओं से सुरक्षित राज्य बनाने में मदद कर पाएंगे।

(C) कोविड महामारी : जीविका दीदियों एवं अधिकारियों का संवेदीकरण कार्यक्रम

कोविड–19 महामारी के प्रबंधन एवं बचाव विषय पर दिनांक 7 एवं 9 मई 2021 को जीविका दीदियों एवं अधिकारियों के लिए वेबिनार के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य, जिला एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक, एरिया कॉर्डिनेटर, प्रशिक्षण अधिकारी के साथ साथ जीविका दीदियों के द्वारा भाग लिया गया। इस कार्यक्रम में कोविड–19 महामारी के प्रबंधन एवं बचाव के बारे में विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतीकरण के साथ चर्चा किया गया। साथ ही कार्यक्रम के प्रश्नोत्तर सत्र में एम्स पटना के डॉक्टर द्वारा प्रतिभागियों के कोविड से संबंधित एवं टीका के संबंधित सवालों का जबाव दिया गया। इस वेबिनार कार्यक्रम में कुल 325 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

कोविड महामारी प्रबंधनः

जिला प्रशासन, पंचायतों, शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों का संवेदीकरण कार्यक्रम

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बिहार के सभी जिला प्रशासन, पंचायतों, नगर निकायों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों का कोविड महामारी से बचाव, रोकथाम एवं घर में आइसोलेशन व क्वारेंटीन के दौरान की सावधानियां विषय पर वेबिनार के माध्यम से संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में संबंधित जिलों के अपर जिला दण्डाधिकारी (आपदा प्रबंधन), वरीय उपसमाहर्त्ता (आपदा प्रबंधन), अनुमण्डल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जिला परिषद् अध्यक्ष, प्रखंड प्रमुख, मुखिया एवं सरपंच, नगर निकायों के महापौर, उप–महापौर, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वार्ड पार्षद, नगर आयुक्त, उप–नगर आयुक्त, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर प्रबंधक के साथ साथ अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित हुए। इस संवेदीकरण कार्यक्रम में कोविड महामारी से बचाव, रोकथाम एवं घर पर आइसोलेशन व क्वारेंटीन के दौरान की सावधानियों के बारे में विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया गया। कार्यक्रम के प्रश्नोत्तर सत्र में एम्स, पटना के डॉक्टर द्वारा प्रतिभागियों को कोविड एवं टीका के संबंध में पूछे गये सवालों का जबाव दिया गया। यह संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन इस प्रकार किया गया : –

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	कार्यक्रम में प्रतिभागियों की संख्या
1	11.05.2021	गया	156
2	12.05.2021	मुजफ्फरपुर	40
3	13.05.2021	भागलपुर	121
4	17.05.2021	बेगूसराय	125
5	18.05.2021	सारण	60
6	19.05.2021	पूर्णिया	100
7	22.05.2021	औरंगाबाद	94
8	24.05.2021	प0 चम्पारण	104
		कुल प्रतिभागियों की संख्या	800

(D) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रमः–

अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम के तहत मई, 2021 में राज्य के 504 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया है जिसमें 417 नन कोविड एवं 87 कोविड अस्पताल शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान अस्पतालों में त्वरित रूप से आवश्यक उपायों पर जोर दिया गया जिससे कि अग्नि की कोई घटना इन अस्पतालों में घटित ना हो और ऐसी किसी भी घटना को तुरन्त काबु कर इससे होने वाले जान–माल के नुकसान को रोका जा सके। आगे भी इस प्रयास की निरन्तरता को जारी रखते हुए राज्य के अधिकांश अस्पतालों का अग्नि–अंकेक्षण करके आवश्यकतानुसार अग्नि सुरक्षा उपायों एवं उपकरणों को अधिष्ठापित कर उन्हें अग्नि आपदा से सुरक्षित बनाने की योजना है। इसके अलावा अग्नि सुरक्षा के प्रति जन–जागरूकता हेतु जिंगल मैसेजेज का निर्माण कराया गया। इन मैसेजेज को प्राधिकरण द्वारा आपदा प्रबंधन विभाग को उपलब्ध कराया गया है, जिसका प्रसारण सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग द्वारा कराया जाना है।

इस प्रकार अप्रैल और मई, 2021 में कुल 1399 अस्पतालों का निरीक्षण कर अग्नि और इससे होने वाली जान–माल की क्षति को रोकने के लिए निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया।

माह मई, 2021 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस् में (सरकारी/निजी) फायर ऑडिट का ऑकड़ा

क्र0 सं0	जिला का नाम	माह मई में अस्पतालों में कुल फायर ऑडिट की संख्या	कोविड अस्पतालों में कुल फायर ऑडिट की संख्या	नन कोविड अस्पतालों में कुल फायर ऑडिट की संख्या
1	पटना	26	19	7
2	नालंदा	8	0	8
3	रोहतास	8	6	2
4	भभुआ	37	3	34
5	आरा	43	4	39
6	बक्सर	14	6	8
7	गया	61	0	52
8	जहानाबाद	9	0	9
9	अरवल	2	0	2
10	नवादा	42	0	42
11	औरंगाबाद	4	4	0

12	छपरा	0	0	0
13	सिवान	32	0	32
14	गोपालगंज	42	0	42
15	मुजफ्फरपुर	12	0	12
16	सीतामढ़ी	0	0	0
17	शिवहर	0	0	0
18	बेतिया	34	5	29
19	बगहा	6	1	5
20	मोतिहारी	10	0	10
21	वैशाली	13	4	9
22	दरभंगा	30	7	23
23	मधुबनी	2	2	0
24	समस्तीपुर	13	5	8
25	सहरसा	0	0	0
26	सुपौल	6	0	6
27	मधेपुरा	0	0	0
28	पूर्णिया	0	0	0
29	अररिया	0	0	0
30	किशनगंज	0	0	0
31	कटिहार	0	0	0
32	भागलपुर	3	0	3
33	नवगछिया	0	0	0
34	चौका	4	2	2
35	मुंगेर	1	0	1
36	लखीसराय	0	0	0
37	शेखपुरा	4	1	3
38	जमुई	0	0	0
39	खगड़िया	6	0	6
40	बेगूसराय	32	9	23
कुल योग		504	87	417

(E) कोविड संक्रमण से बचाव एवं बाढ पूर्व तैयारीः सीतामढी जिलों के विभिन्न संस्थाओ का ऑनलाइन संवेदीकरण

राज्य के सभी जिले कोविड संक्रमण से त्रस्त हैं। वहीं लॉकडाउन के कारण राज्य के प्रवासी भी वापस अपने घरों को लौट रहे हैं। मई में कोरोना संक्रमण चरम पर पहुंच चुका है। राज्य के 15 जिले अति बाढ़ प्रवण जिले की श्रेणी में आते है। जुलाई में राज्य में मानसून एवं नेपाल से आने वाली बरसाती नदियों की बाढ़ से सभी जिले पूर्ण रूप से प्रभावित होते रहते हैं। इन आपदाओं का पंचायतों में न्यूनतम प्रभाव पडे, इसके लिए पूर्व तैयारी एवं प्रत्युत्तर के लिये आम जनमानस में वृहद पैमाने पर जागरूकता की आव्यशकता है वर्तमान कोविड के परिदृश्य में बाढ़ से बचाव के लिए ऑनलाईन संवेदीकरण के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर सीतामढ़ी जिले के लिये कार्यक्रम का आयोजन यूनिसेफ के सहयोग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। इस जागरूकता कार्यक्रम में 1052 प्रतिनिधियों को कोविड संक्रमण और बाढ़ से बचाव के लिए संवेदित किया गया।

यह इस प्रकार है :–

क्रम संख्या	दिनांक	सबंधित प्रतिभागी	कुल प्रतिभागियों की संख्या
1	19 May, 2021	पंचायतीराज विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग के पदाधिकारियों/ कर्मचारियों/ पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण	178
2	19 May, 2021	स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों/ कर्मचारियों का प्रशिक्षण	38
3	22 May, 2021	समेकिल बाल विकास परियोजना (ICDS) के पदाधिकारियों/ कर्मचारियों कार्यकर्ता का प्रशिक्षण	500
4	22 May, 2021	जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU) के पदाधिकारियों/ कर्मचारियों / कार्यकर्ता का प्रशिक्षण	36
5	25 May, 2021	NSS/NCC/ NYK के पदाधिकारियों स्वयंसेवको का प्रशिक्षण	62
6	25 May, 2021	जीविका परियोजना के पदाधिकारियों/ कर्मचारियों/कार्यकर्ता/ जीविका दीदी का प्रशिक्षण	184

7	25 May, 2021	लोक स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के पदाधिकारियों/ कर्मचारियों का प्रशिक्षण	54

बाढ़ पूर्व तैयारी एवं प्रत्युत्तर के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम अति बाढ़ प्रवण `क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधि एवं पंचायतों में कार्यरत सभी कार्यदायी संस्थाओं स्वास्थ्य विभाग, आई0सी0डी0एम0, पंचायतीराज विभाग, ग्रामीण विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केन्द्र, नेशनल कैडेट कोर के स्वयंसेवकों एवं जीविका दीदी को भी बाढ़ पूर्व तैयारी पर प्रशिक्षण उपलब्ध काराया गया।

(F) Bihar State Disaster Resource Network की Review मीटिंग

12 मई 2021 को Bihar State Disaster Resource Network की Review मीटिंग हुई, इस मिटिंग में आठ जिला औरंगाबाद, खगड़िया, मुजफ्फरपुर, नवादा, पूर्णिया, बांका, सीतामढ़ी के Disaster Management Consultant उपस्थित थे।

प्राधिकरण के सदस्य, श्री पी.एन.राय की अध्यक्षता में DM Consultant से अबतक की हुई प्रगति की समीक्षा की गई और Bihar State Disaster Resource Network में Entry के लिए मार्गदर्शन किया।

मई, 2021 तक संधारित आंकड़ों के अनुसार 8170 प्रकार के मानव बल समेत अन्य उपकरण आदि उपलब्ध हैं जो इस प्रकार है:

खोज एवं बचाव उपकरण :– 2910

कुशल जनशक्ति :– 3169

परिवहन :– 152

भोजन और जल स्त्रोत :– 265

सुरक्षा और आश्रेय:– 1488

आपातकालीन आपूर्ति और सेवाएं :– 186

कुल संख्या :– 8170

(G) Mass Messaging

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, यहां सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ का प्रकोप झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर लू, वज्रपात इत्यादि आपदाओं से भी राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह से रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा की खतरा से अवगत कराना जरूरी है। इसलिए आपदाओं में 'क्या करें क्या न करें की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दिया जाता है।

प्राधिकरण में उपलब्ध विभिन्न मोबाइल नंबर जैसे जिला पदाधिकारी DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), साथ ही साथ प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जन प्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542), आगनबाड़ी सेविका (45946) एवं प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंता एवं राजमिस्त्रियों एवं अन्य (लगभग 36 लाख नंबर) पर विभिन्न आपदाओं के बारे में समय–समय पर नियमित मास मैसेजिंग (सामूहिक संदेश संप्रेषण) किये जाते हैं।

मास मैसेजिंग आपदा प्रबंधन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण यूनिट बन गया है। जिसका उपयोग न केवल Early Warning तक सिमित है, बल्कि आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों जैसे Disaster Preparedness, Mitigation पर जागरूकता एवं बचाव हेतु भी जानकारी भेजी जाती है। इस तकनीक की मदद से कम समय में अधिकतम लोगों को Text Message के रूप में क्या करें, क्या न करें की जानकारी दी जा रही है।

जनहित में जारी
आसमान में बिजली के चमकने /गरजने /कड़कने के समय: -

1. यदि आप खुले में हों तो शीघ्रातिशीघ्र किसी पक्के मकान में शरण लें।
2. जहाँ हैं वहीं रहें , हो सके तो पैरों के नीचे सुखी चीज़े जैसे –लकड़ी, प्लास्टिक,बोरा या सूखे पत्ते रख लें।
3. ऊँचे पेड़ के नीचे न खड़े हों।
4. बिजली के सुचालक वस्तुओं से दूर रहें।
5. समूह में न खड़े हों।
6. रेडियो और टी० वी० पर मौसम के साफ होने का संदेश प्रसारित होने का इंतजार करें ।

जनहित में जारी
नाव दुर्घटना से बचने के उपाय :

1. जिस नाव पर पंजीकरण संख्या अंकित हो उसी नाव से यात्रा करें।
2. जिस नाव पर लदान क्षमता दर्शाते हुए सफेद पट्टी का निशान लगा हो उसी नाव से यात्रा करें।
3. किसी भी स्थिति में ओवर लोडेड नाव पर न बैठें।
4. छोटे बच्चों को अकेले नाव की यात्रा न करने दें।
5. जिस नाव पर जीवन रक्षा के लिए लाईफ जैकेट , लाईफ बॉय के साथ प्राथमिक बॉक्स एवं रस्से आदि ठीक तरीके से रखे हों उसी नाव से यात्रा करें।